विकसित कृषि संकल्प अभियान

29 मई से 12 जून, 2025

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्

तकनीकी स्थानान्तरण एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर

राजस्थान – 304501

राजस्थान राज्य समन्वयक :

डॉ. अरुण कुमार तोमर, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर

नोडल अधिकारी, विकसित कृषि संकल्प अभियान संस्थान टीम

डॉ. एल.आर.गुर्जर, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी, तकनीकी स्थानान्तरण एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

संस्थान समन्वयकः

डॉ. आर.एस.भट्ट, प्रधान वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष, पशु पोषण विभाग

टीम–ए (जयपुर जिला)	टीम–बी (टोंक जिला)	टीम–सी (दौसा जिला)	टीम–डी (टोंक जिला)
1. डॉ. अजीत सिंह महला (टीम लीडर) 2. डॉ. सिको जोश 3. डॉ. अरविंद सोनी 4. केवीके वैज्ञानिक / राज्य विभाग अन्य कर्मचारी 5. श्री प्रदीप जाटव	1. डॉ. एस.एस. डांगी (टीम लीडर) 2. डॉ. एस. सरकार 3. डॉ. एच.एस. मीना 4. डॉ. एल.आर. गुर्जर 5. केवीके वैज्ञानिक / राज्य विभाग अन्य कर्मचारी 6. डॉ. सृष्टि सोनी 7. श्री गौतम चोपड़ा 8. श्री सीताराम मीना	1. डॉ. अमर सिंह मीना (टीम लीडर) 2. डॉ. राजेश बिश्नोई 3. डॉ. चंदन प्रकाश 4. केवीके वैज्ञानिक / राज्य विभाग अन्य कर्मचारी 5. श्री सी.एल. मीना	1. ई. अजय कुमार (टीम लीडर) 2. डॉ. एस.सी. शर्मा 3. डॉ. थिरुमारन 4. डॉ. वी. राल्टे 5. केवीके वैज्ञानिक / राज्य विभाग अन्य कर्मचारी 6. श्री डी.के. यादव 7. श्री लोकेश मीना 8. श्रीमती मीनाक्षी मीना
टीम–ई (डूंगरपुर जिला)	टीम–एफ (टोंक जिला)	टीम–जी (टोंक जिला)	
1. डॉ. आर.एल. मीणा (टीम लीडर) 2. डॉ. सुभाष कच्छावाहा 3. केवीके वैज्ञानिक / राज्य विभाग अन्य कर्मचारी 4. श्री सोहन लाल आहारी	1. डॉ. आर.एस. गोदारा (टीम लीडर) 2. डॉ राजीव कुमार 3. डॉ. ओ.एच. चतुर्वेदी 4. डॉ. जी. नागराजन 5. केवीके वैज्ञानिक / राज्य विभाग अन्य कर्मचारी 6. श्री अंशुल शर्मा	1. डॉ. पी.के. मलिक (टीम लीडर) 2. डॉ. आर.पी. नागर 3. डॉ. डी.के. शर्मा 4. डॉ. एस. सरवणन 5. केवीके वैज्ञानिक / राज्य विभाग अन्य कर्मचारी 6. श्री योगीराज मीना 7. श्री महाराम मीना	

विकसित कृषि संकल्प अभियान के उद्देश्य:

1. प्रमुख खरीफ फसलों की आधुनिक कृषि पद्धतियों के बारे में किसानों के बीच जागरूकता पैदा करना।
2. प्रधानमंत्री संकल्प ''विकसित भारत /2047'' की प्राप्ति में योगदान देना।
   कृषि क्षेत्र को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाकर विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में कार्य करना।
3. किसानों को नवाचारों, नई तकनीकों एवं अनुसंधान उपलब्धियों से जोड़ना।
   उन्नत कृषि तकनीकों, बीज, जैविक उत्पादों, मशीनों और कृषि–जलवायु उपायों को किसानों तक पहुंचाना।
4. स्थानीय कृषि समस्याओं का समाधान देना।
   किसानों के क्षेत्रीय मुद्दों पर वैज्ञानिक सलाह और समाधान प्रस्तुत करना।
5. जलवायु अनुकूल कृषि (Climate Smart Agriculture) को बढ़ावा देना।
   सूखा, गर्मी, अत्यधिक वर्षा आदि की परिस्थितियों में टिकाऊ खेती के उपाय बताना।
6. कृषक जागरूकता एवं क्षमता निर्माण।
   प्रशिक्षण, कार्यशालाएं, संगोष्ठियाँ एवं शिविरों के माध्यम से किसानों का ज्ञान बढ़ाना।
7. समावेशी कृषि विकास को बढ़ावा देना।
   महिला किसानों, युवाओं एवं सीमांत किसानों को भी विशेष रूप से जोड़ना।
8. पोषणयुक्त और टिकाऊ कृषि प्रणालियों को अपनाने हेतु प्रेरित करना।
   पोषण–युक्त कृषि एवं जैविक खेती की तकनीकों का प्रचार–प्रसार करना।
9. ग्राम स्तर पर कृषि वैज्ञानिकों का प्रत्यक्ष संपर्क स्थापित करना।
   वैज्ञानिकों को गांवों में भेजकर किसानों से सीधे संवाद कर समस्याएं जानना और समाधान बताना।
10. पशुपालन एवं संबद्ध क्षेत्रों में सुधार।
   पशु स्वास्थ्य शिविरों, दुग्ध उत्पादन, चारा प्रबंधन आदि में किसानों को जागरूक करना।
11. सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ दिलाना।

विकसित कृषि संकल्प अभियान में प्रमुख चर्चा के विषय

1. उन्नत एवं टिकाऊ खेती की तकनीकें
   कम लागत, अधिक लाभ की उन्नत कृषि पद्धतियाँ, फसल चक्र (Crop Rotation), मिश्रित फसलें, एवं GAP (Good Agricultural Practices)
2. प्राकृतिक एवं जैविक खेती
   जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत का उपयोग, देसी गाय आधारित खेती और रसायन रहित उत्पादन
3. मृदा स्वास्थ्य और परीक्षण
   मृदा परीक्षण की आवश्यकता एवं रिपोर्ट के अनुसार उर्वरकों का उपयोग, मृदा स्वास्थ्य कार्ड की जानकारी
4. जल संरक्षण और सिंचाई प्रबंधन
   सूक्ष्म सिंचाई (ड्रिप एवं स्प्रिंकलर), वर्षा जल संचयन और वाटर हार्वेस्टिंग
5. फसल बीमा एवं सरकारी योजनाएं
   प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पीएम–किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड (KCC), कृषि यंत्र सब्सिडी आदि।
6. पशुपालन एवं पशु स्वास्थ्य प्रबंधन
   पशुओं का टीकाकरण, कृमिनाशन, चारा प्रबंधन, नस्ल सुधार, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उपाय
7. जलवायु परिवर्तन एवं कृषि में उसका प्रभाव
   बदलते मौसम में फसल प्रबंधन, क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर तकनीक

8. पोष्टिक अनाज एवं पोषण वाटिका
   मोटे अनाज (मिलेट्स) का महत्व, घर की जरूरत के लिए पोषण वाटिका (Kitchen Garden)
9. कृषि में यंत्रीकरण एवं नवाचार
   कृषि यंत्रों का प्रदर्शन एवं उपयोग, मोबाइल ऐप्स, डिजिटल प्लेटफॉर्म
10. कृषि में युवाओं की भागीदारी एवं स्वरोजगार
   एग्री–स्टार्टअप, एफपीओ (FPO), और उद्यमिता के अवसर
11. बीज शुद्धता और गुणवत्ता नियंत्रण
   प्रमाणित एवं उच्च गुणवत्ता वाले बीजों का महत्व, नकली बीजों की पहचान एवं शिकायत प्रणाली
12. कीट एवं रोग प्रबंधन
   एकीकृत कीट प्रबंधन (IPM), जैविक कीटनाशकों एवं नीम आधारित उत्पादों का प्रयोग
13. उर्वरकों की पहचानः असली बनाम नकली
   उर्वरकों की पैकेजिंग, लेबलिंग, और QR कोड स्कैन, मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरक प्रयोग
14. कृषि विपणन एवं फसल की उचित कीमत
   e-NAM (ई–नाम) पोर्टल, मंडी सुधार, किसान उत्पादक संगठन (FPO), सीधे उपभोक्ता से जोड़ने के विकल्प
15. कृषि आधारित उद्यमिता (Agri&Entrepreneurship)
   फूड प्रोसेसिंग, एग्रो–टूरिज्म, पैकेजिंग एवं ब्रांडिंग, कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन
16. फसल विविधीकरण
   केवल गेहूं/धान तक सीमित न रहकर सब्जियां, फल, दलहन, तिलहन आदि की ओर बढ़ना, जोखिम कम करने की रणनीति
17. डेयरी, मत्स्य पालन एवं बकरी पालन
   एकीकृत कृषि प्रणाली को बढ़ावा, किसान की आय के कई स्रोत बनाना
18. सोलर ऊर्जा एवं कृषि
   सोलर पंप, बायोगैस, और अन्य अक्षय ऊर्जा स्रोत, सोलर चालित कृषि यंत्रों की जानकारी
19. महिला किसानों की भागीदारी
   महिला स्वयं सहायता समूह (SHG) का गठन, महिला नेतृत्व में कृषि नवाचार
20. डिजिटल तकनीक और मोबाइल एप्स
   किसान ऐप, मौसम पूर्वानुमान ऐप, पोर्टल्स (PM-Kisan, mKisan, KCC आदि), व्हाट्सएप/IVRS के माध्यम से जानकारी
21. कृषि अनुसंधान और विस्तार सेवाएँ
   कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) की भूमिका, अनुसंधान संस्थानों द्वारा दी जाने वाली सेवाएं
22. कृषि संबंधी वित्तीय साक्षरता
   फसल ऋण, लोन चुकता प्रक्रिया, बैंकिंग सेवाओं की जानकारी, किसान क्रेडिट कार्ड की प्रक्रिया
23. कृषि बीमा दावे से संबंधित प्रक्रियाएं
   समय पर दावा कैसे करें, आवश्यक दस्तावेज क्या हैं। ग्राम स्तर पर शिकायत निवारण केंद्र

विकसित कृषि संकल्प अभियान में भाग लेने वाले कृषक एवं कृषक महिलाऐं

क्र.स.	दिनांक	ग्राम/ ग्राम पंचायत का नाम	पंचायत समिति	अभियान में भाग लेने वाले कृषकों की संख्या		
				पुरुष	महिला	कुल
1	29.05.2025	लावा अविकानगर चौंसला	मालपुरा	380	520	900
2	30.05.2025	बालापुरा डेंचवास बरोल	मालपुरा	173	90	263
3	31.05.2025	चबराना नींबाहेड़ा हनुतिया	मालपुरा/फागी	185	120	305
4	01.06.2025	गणेशपुरा अजमेरी अरनिया रघुनाथपुरा	मालपुरा	265	85	350
5	02.06.2025	गोपालपुरा आमली पिननी	मालपुरा	295	142	437
6	03.06.2025	बन का खेडा बम्बोरी गरजेड़ा बागड़ी	मालपुरा	276	88	364
7	04.06.2025	रायथल्या गणवर लक्ष्मीपूरा	मालपुरा	225	163	388
8	05.06.2025	चावण्डिया पिपल्या चांदसेन	मालपुरा	241	123	364
9	06.06.2025	रीन्डलिया बुजुर्ग सदरपुरा पिनणी अरर्नियां कांकड	मालपुरा	339	128	467
10	07.06.2025	चोरुपुरा धोली खेड़ा श्रीनगर सदरपुरा लक्ष्मीपुरा	मालपुरा	579	407	986
11	08.06.2025	भगवानपुरा तिलांजु	मालपुरा	220	81	301
12	09.06.2025	बाछेड़ा दामोदरपुरा निमेडा	मालपुरा	256	150	406
13	10.06.2025	कुरथल मलिकपुर चांदा की ढ़ाणी	मालपुरा	478	314	792
14	11.06.2025	तांत्या घाटी डूगरीकला	मालपुरा	287	73	360
15	12.06.2025	केरवालिया गनवर सोडा	मालपुरा	453	148	601
	कुल	**48**	**02**	**4652**	**2632**	**7284**

विकसित कृषि संकल्प अभियान के दोरान किसानो की समस्याऐं एवं सुझाव

क्र.स.	दिनांक	स्थान	कृषक समस्या / सुझाव
1	29.05.2025	लावा, अविकानगर, चौंसला	• प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत मुवावजा वितरण में बीमा कंपनियों द्वारा अनुचित कटौती व मुवावजा देने में देरी। • मंडी में सम्पूर्ण कृषि उत्पाद को MSP दर पर नही लिया जा रहा है शेष कृषि उत्पाद की बेचान व्यवस्था संगठीत नहीं है।
2	30.05.2025	बरोल, बालापुरा, डेंचवास	• उन्नत बीज का अभाव • सरकारी योजनओं का धरातल पर न पहुंचना
3	31.05.2025	हनुतिया, चबराना, निम्बाहेड़ा	• खारे पानी की समस्या • चने की फसल में विल्ट की समस्या
4	01.06.2025	गणेशपुरा, अजमेरी, अरनिया, रघुनाथपुरा	• मृदा की उर्वरकता में गिरावट, लेकिन मृदा परीक्षण की जानकारी और साधन सीमित हैं। • पशुओं में बार–बार बीमारियाँ (जैसे FMD, Repeat Breeding) और पशुचिकित्सकों की कमी। • पशुओं के लिए चारा और पोषण की कमी।
5	02.06.2025	गोपालपुरा, पिननी, आमली	• प्रमाणित व उन्नत बीज समय पर नहीं मिलते। • स्थानीय कृषि केन्द्रों पर बीज स्टॉक सीमित होता है।
6	03.06.2025	बन का खेडा, बम्बोरी, गरजेड़ा, बागड़ी	• किसान चाहते हैं कि नियमित रूप से गांव स्तर पर प्रायोगिक प्रशिक्षण (डेमो) हो। • वैज्ञानिक भाषा को स्थानीय बोली में सरल रूप में समझाया जाए।
7	04.06.2025	रायथल्या,गणवर, लक्ष्मीपूरा	• ग्रामीण युवा खेती को लाभकारी नहीं मानते और अन्य रोजगारों की ओर जा रहे हैं। • कृषि में आधुनिकता और नवाचार की कमी इसका कारण है। • बैंक से लोन लेना कठिन और प्रक्रियाएँ जटिल हैं।
8	05.06.2025	चावण्डिया, पिपल्या, चांदसेन	• उपज का उचित मूल्य नहीं मिलना • नकली दूध के कारण दूध के सही दाम नही मिलना
9	06.06.2025	रीन्डलिया बुजुर्ग, अरर्निया कांकड़, पिनणी	• खेतो में जंगली सुअरों का प्रकोप • गावों में वेटेनरी डाक्टर की कमी • उसर भूमि व खारे पानी की समस्या
10	07.06.2025	चोरुपुरा, धोली खेड़ा, श्रीनगर, सदरपुरा, लक्ष्मीपुरा	• छोटे व सीमांत किसानों के पास खुद के यंत्र नहीं हैं। • निजी स्तर पर किराये के यंत्र महंगे मिलते हैं और कस्टम हायरिंग सेंटर (CHC) की पहुंच सीमित है। • किसान फसल के अनुसार मौसम की सटीक जानकारी न मिलने से गलत समय पर बुवाई या कटाई कर बैठते हैं।
11	08.06.2025	भगवानपुरा, तिलांजु	• कृषि विज्ञान केंद्र (KVK), कृषि विश्वविद्यालयों और विभागों से किसानों का संपर्क बहुत कम है। • किसान चाहते हैं कि वैज्ञानिक हर सीजन में गांव में आएँ और सीधे संवाद करें।
12	09.06.2025	बाछेड़ा, दामोदरपुरा,	• पशुओं की नस्ल सुधार में समस्या • कृत्रिम गर्भाधान (AI) सेवा समय पर नहीं मिलती।

		निमेडा	• देशी व संकर नस्लों की उपलब्धता व जानकारी सीमित है।
13	10.06.2025	कुरथल, नयागांव, चांदा की ढ़ाणी	• बीमा क्लेम में देरी और अस्वीकरण • फसल बीमा के लिए आवेदन तो कर दिया जाता है, लेकिन जब नुकसान होता है तो क्लेम पास नहीं होता या बहुत देरी से होता है। • निरीक्षण, रिपोर्ट और प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं है।
14	11.06.2025	तांत्या, घाटी, डूंगरीकला	• ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि मजदूर मिलना कठिन हो गया है क्योंकि श्रमिक अन्य कार्यों (मनरेगा, निर्माण आदि) की ओर पलायन कर रहे हैं। • जिससे बुवाई, निराई, कटाई जैसे कार्यों में देरी होती है।
15	12.06.2025	केरवालिया, रामेश्वरपुरा, सोडा	• जल प्रबंधन और सिंचाई तकनीक की सीमाएं • परंपरागत सिंचाई के कारण जल की बर्बादी होती है। • माइक्रो इरीगेशन (ड्रिप, स्प्रिंकलर) योजनाओं में सब्सिडी तो है, पर जानकारी का आभाव

विकसित कृषि संकल्प अभियान–कृषक नवाचार

1. संतुलित पशु आहार का स्थानीय निर्माण किसानों ने भूसा, दाना, गुड़, चना की भूसी, खल, नमक व मिनरल मिक्सचर मिलाकर खुद संतुलित आहार तैयार करना सीखा। इससे पशुओं की दूध देने की क्षमता में वृद्धि हुई।
2. विकसित कृषि संकल्प अभियान में किसानो द्वारा भाग लेकर संस्थान द्वारा आयोजित अग्रीम पंक्ति प्रदर्शन के माध्यम से उन्नत किस्म का बीज प्राप्त कर, बीज उत्पादन हेतु प्रेरित हुए है।
3. पशु स्वास्थ्य शिविर में फीडबैक आधारित सुधार अभियान के दौरान आए डॉक्टरों से किसानों ने न केवल इलाज, बल्कि रोग की रोकथाम के उपाय भी सीखे और ग्रुप वाइज फॉलोअप किया।
4. बकरी पालन में स्थानीय सुधार किसानों ने सिरोही नस्ल को स्थानीय जलवायु में पालने के लिए तकनीक सीखी, साथ ही घर में छोटे शेड और कम लागत वाले बाड़े बनाए।
5. चारा उत्पादन में नवाचार पशुओं के लिए हाई प्रोटीन चारा (बरसीम, नेपियर घास) का उत्पादन शुरू किया गया।
6. जीवामृत और घनजीवामृत का स्वयं निर्माण कई किसानों ने घर पर गोमूत्र, गोबर, गुड़ और बेसन से कम लागत वाला जीवामृत तैयार करना सीखा। इससे उर्वरक पर खर्च कम हुआ और मिट्टी की उर्वरता बढ़ी।
7. फसल चक्र (Crop Rotation) आधारित मॉडल फार्म कुछ प्रगतिशील किसानों ने दलहन–तिलहन–अनाज का चक्र बनाकर जमीन की उर्वरता बनाए रखी और लगातार उत्पादन लिया।
8. खेत के किनारे पर चारा/झाड़ी लगाना + पशु शेड बनाना खेत की मेडों पर नेपियर घास, सहजन, अरडू, मकोय, लेमन ग्रास उगाई गई जो पशुओं के चारे या औषधीय उपयोग में आती हैं। इससे मुख्य फसल भी सुरक्षित रहती है।
9. मृदा परीक्षण + पशु आहार संतुलन एक साथ कुछ किसानों ने मृदा परीक्षण और पशु चारा विश्लेषण दोनों करवाया और दोनों को संतुलित पोषण प्रणाली के रूप में लागू किया। इससे मिट्टी और पशु दोनों की सेहत सुधरी।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम

29 मई, 2025 को विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ माननीय कैबिनेट मंत्री, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल विभाग राजस्थान सरकार, श्री कन्हैया लाल जी चौधरी द्वारा किया गया जिसमें कार्यशाला एवं कृषक संवाद कार्यक्रम रखा गया। जिसमें 900 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान किसान रथ को हरी झण्डी दिखाकर शुभारंभ किया गया।

31 मई, 2025 को किसान फिडबैक एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री राजन विशाल, शासन सचिव, कृषि एवं उद्यान, राजस्थान सरकार उपस्थित हुए। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. अरूण कुमार तोमर, अभियान के नोडल अधिकारी, डॉ. एल.आर. गुर्जर, डॉ. विरेन्द्र सोलंकी, संयुक्त निदेशक कषि (विस्तार), टोंक, श्री दिनेश बैरवा, परियोजना निदेशक, आत्मा, टोंक, श्री छोगालाल गुर्जर, जिला परिषद सदस्य, एफ.पी.ओ. प्रगतिशील किसान एवं जिले के कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, अविकानगर संस्थान के वैज्ञानिक, विभागों और अनुभागों के अध्यक्ष एवं प्रभारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर आयोजित कार्यशाला में लगभग 125 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के अन्तर्गत राजस्थान के अजमेर, बीकानेर एवं नागोर में आयोजित रात्रि चौपाल एवं कृषक संवाद कार्यक्रमों में श्री सी.आर. चौधरी, राजस्थान किसान आयोग अध्यक्ष, श्री कन्हैया लाल चौधरी, केबीनेट मंत्री, राजस्थान सरकार, स्थानीय विधायक, डॉ. अरूण कुमार तोमर, समन्वयक, विकसित कृषि संकल्प अभियान, राजस्थान, राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र, तबीजी, अजमेर के निदेशक डॉ. विनय भारद्वाज, राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र, बीकानरे के निदेशक डॉ. अनिल कुमार पुनिया मौजुद रहे एवं किसानों का मार्गदर्शन किया।

02 जून, 2025 को विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत् डी.डी. राजस्थान द्वारा आयोजित कृषि दर्शन कार्यक्रम के माध्यम से डॉ. एल.आर. गुर्जर द्वारा किसानों को विकसित कृषि संकल्प अभियान से ज्यादा से ज्यादा जुड़ने के लिये आह्वान किया। साथ ही अभियान के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की।

08 जून, 2025 को विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत् डी.डी. राजस्थान द्वारा आयोजित कृषि दर्शन कार्यक्रम के माध्यम से संस्थान निदेशक डॉ. अरूण कुमार तोमर द्वारा किसानों को अभियान के उद्देश्यों एवं लक्ष्यों के बारे में बताया। साथ ही संस्थान द्वारा किसानों के लिये किये जा रहे वैज्ञानिक तकनीकों एवं किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु संस्थान द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में बताया।

08 जून, 2025 को टोंक जिले की मालपुरा तहसील के ग्राम भगवानपुरा में रात्रि चौपाल का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुल 301 किसानों (280 पुरूष एवं 81 महिला) ने भाग लिया। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के केबीनेट मंत्री श्री कन्हैया लाल चौधरी संस्थान के निदेशक डॉ. अरूण कुमार तोमर, अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. एल.आर. गुर्जर, कृषि विज्ञान केन्द्र, वनस्थली के प्रमुख डॉ. बंशीधर जाट, डॉ. विरेन्द्र सोलंकी संयुक्त निदेशक, कृषि विस्तार टोंक, अतिरिक्त निदेशक कृषि विस्तार मालपुरा, डॉ. महेश कुमावत मौजुद रहे एवं अपनी विभागीय जानकारी दी। साथ ही संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई।

09 जून, 2025 को अनुसूचित जनजाति उपयोजना के अन्तर्गत सिकराय तहसील के ग्राम घुमना, जिला–दौसा में विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत् किसान–वैज्ञानिक संगोष्ठी एवं खरीफ फसलों हेतु गुणवत्तायुक्त बीजों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संस्थान निदेशक डॉ. अरूण कुमार तोमर रहे।

दिनांक 10 जून, 2025 को किसान संवाद एवं कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक डॉ. अरूण कुमार तोमर, विशिष्ट अतिथि श्रीमती पुनम राव, सहायक महाप्रबन्धक, भारतीय स्टेट बैंक, अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. एल.आर. गुर्जर, डॉ. अजय कुमार, नोडल अधिकारी,

अनुसूचित जाति उपयोजना, श्री बालूराम गुर्जर, प्रतिशील किसान एवं संस्थान के वैज्ञानिक, विभागाध्यक्ष, प्रभारी एवं 792 किसानों (314 महिला एवं 478 पुरूष) ने भाग लिया। कार्यक्रम के अन्तर्गत किसानों को बैंक द्वारा चलाई जा रही किसानों के लिये योजनाओं एवं बैंक संबंधित समस्याओं पर संवाद किया गया।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के अन्तर्गत संस्थान द्वारा गठित चार वैज्ञानिक टीमों ने दौसा, डूंगरपुर, जयपुर एवं टोंक जिले में कृषि विज्ञान केन्द्रों के साथ मिलकर वैज्ञानिक–कृषक संवाद एवं पशु स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया।

विकसित कृषि संकल्प अभियान – 2025 प्रगति की झलक

कार्यशाला – अविकानगर

किसान रथ की रवानगी

कार्यशाला – अविकानगर

किसान संगोष्ठी ग्राम–आमली

किसान संगोष्ठी ग्राम–बन का खेड़ा

ग्राम चौपाल–गनवर

ग्राम चौपाल—पिनणी

ग्राम चौपाल—भगवानपुरा

किसान संगोष्ठी ग्राम—तिलांजु

पशु स्वास्थ्य शिविर ग्राम—बालापुरा

कार्यशाला — अविकानगर

किसान संगोष्ठी ग्राम—अरनिया

ग्राम चौपाल–हनुतिया

ग्राम चौपाल–डेंचवास

रात्रि चौपाल ग्राम–लक्ष्मीपुरा

रात्रि चौपाल ग्राम–बरोल

किसान संगोष्ठी ग्राम–बम्बोरी

किसान संगोष्ठी ग्राम–गरजेड़ा

पशु स्वास्थ्य शिविर व संगोष्ठी ग्राम–सोड़ा

किसान संगोष्ठी ग्राम–धोली खेड़ा

किसान संगोष्ठी ग्राम–नयागांव

किसान संगोष्ठी ग्राम–दामोदरपुरा

किसान संगोष्ठी ग्राम–श्रीनगर

किसान संगोष्ठी ग्राम–घाटी

विकसित कृषि संकल्प अभियान

किसान संगोष्ठी एवं पशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

टोंक। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर द्वारा जिले की मालपुरा तहसील के गोपालपुरा, पिननी एवं आमली गांवों में किसान संगोष्ठी एवं पशु स्वास्थ्य शिविरों का सफल आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में कुल 437 किसानों में से 295 पुरूष एवं 142 महिला किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और वैज्ञानिकों से प्रत्यक्ष संवाद किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर, अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. एल. आर. गुर्जर सहित संस्थान के वैज्ञानिकों ने विभिन्न विषयों पर किसानों को मार्गदर्शन दिया।

शिविरों में प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य, पशुपालन तकनीक, पशु पोषण एवं स्वास्थ्य, तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी जैसे विषयों पर चर्चा की गई। साथ ही बीमार पशुओं की जांच व उपचार भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कई अहम समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं ऊसर भूमि एवं खारे पानी की समस्या, न्यूनतम समर्थन मूल्य ;डैच) पर फसल की खरीद में देरी, प्रमाणित उर्वरकों की सीमित उपलब्धता एवं वितरण में विलंब, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में मुआवजे की अनुचित कटौती मुआवजा प्राप्ति की समय सीमा तय किए जाने की आवश्यकता किसानों ने सरकार से इन समस्याओं के शीघ्र समाधान हेतु आवश्यक कदम उठाने की मांग की। कार्यक्रम की इसी कड़ी में ग्राम आमली में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के प्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श किया। अभियान में डुंगरपुर एवं दौसा जिलों में केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर व केवीके की टीम ने मिलकर कुल 9 गांवों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

संयोजक बनाया है। प्रशासन को पुलिस जाप्ता उपलब्ध करवाने का भरोसा दिया। इस दौरान चर्च लक्ष्कार, राकेश ओसवाल, गौरव चतुर्वेदी सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत किसान संगोष्ठी एवं पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

खबरों की दुनिया

मालपुरा। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर द्वारा टोंक जिले की मालपुरा तहसील के ग्राम बम्बोरी, एवं टोडारासिंह तहसील के ग्राम - बन का खेड़ा में किसान संगोष्ठी एवं पशु स्वास्थ्य शिविरों का सफल आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में कुल 364 किसानों में से 276 पुरूष एवं 88 महिला किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और वैज्ञानिकों से प्रत्यक्ष संवाद किया।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर, अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. एल. आर. गुर्जर सहित संस्थान के वैज्ञानिकों ने आगामी खरीफ फसलों के लिए खेत की तैयारी एवं उन्नत बीज, प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य, पशुपालन तकनीक, पशु पोषण एवं स्वास्थ्य, तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी जैसे विषयों पर चर्चा की। साथ ही पशु स्वास्थ्य शिविर के दौरान बीमार पशुओं की जांच व उपचार किया गया। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने खेती एवं पशुपालन की प्रमुख समस्याऐं बताई जिनमें ऊसर भूमि एवं खारे पानी की समस्या, चने की फसल में (विल्ट) उगाले की समस्या, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसल की खरीद में देरी इत्यादि शामिल हैं एवं सरकार से उक्त समस्याओं के निराकरण की मांग की। इसी कड़ी में ग्राम बागड़ी (मालपुरा) में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के वैज्ञानिकों ने ग्रामीणों से आपसी संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श किया।

अभियान के अंतर्गत 03 जून, 2025 को डुंगरपुर एवं दौसा जिलों में केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर व कृषि विज्ञान केंद्र की टीम ने मिलकर डूंगरपुर जिले के छह गांवों (वसी खास, पाल वसी, धावड़ी, करोली, ओढ़ा बड्डा और नवल श्याम) तथा दौसा जिले के तीन गांवों (गीजगढ़, बहरावंडा और कालाखों अम्बाड़ी) में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में कुल 1,489 किसानों (928 डूंगरपुर, 561 दौसा) ने भाग लिया, साथ ही 114 अन्य प्रतिभागी भी उपस्थित रहे। उक्त उपस्थित किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, सरकारी योजनाओं व नवाचारों की जानकारी प्रदान की गई। यह जानकारी डॉक्टर अमर सिंह मीणा ने दी।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत किसान संगोष्ठी एवं पशु स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

खबरों की दुनिया

मालपुरा। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर के तत्वावधान में मंगलवार को मालपुरा उपखंड के गोपालपुरा, पिनणी एवं आमली गांवों में किसान संगोष्ठी एवं पशु स्वास्थ्य शिविरों का सफल आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में कुल 437 किसानों में से 295 पुरूष एवं 142 महिला किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और वैज्ञानिकों से प्रत्यक्ष संवाद किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर, अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. एल. आर. गुर्जर सहित संस्थान के वैज्ञानिकों ने विभिन्न विषयों पर किसानों को मार्गदर्शन दिया। शिविरों में प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य, पशुपालन तकनीक, पशु पोषण एवं स्वास्थ्य, तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी जैसे विषयों पर चर्चा की गई। साथ ही बीमार पशुओं की जांच व उपचार भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कई अहम समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं ऊसर भूमि एवं खारे पानी की समस्या, न्यूनतम समर्थन मूल्य ;डैच) पर फसल की खरीद में देरी, प्रमाणित उर्वरकों की सीमित उपलब्धता एवं वितरण में विलंब, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में मुआवजे की अनुचित कटौती मुआवजा प्राप्ति की समय सीमा तय किए जाने की आवश्यकता किसानों ने सरकार से इन समस्याओं के शीघ्र समाधान हेतु आवश्यक कदम उठाने की मांग की। कार्यक्रम की इसी कड़ी में ग्राम आमली में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के प्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श किया। अभियान के अंतर्गत मंगलवार को डुंगरपुर एवं दौसा जिलों में केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर व कृषि विज्ञान केंद्र की टीम ने मिलकर कुल 9 गांवों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। डुंगरपुर जिले की टीमों द्वारा 6 गांवों (झौंथरी, भिंडा, वासुवा, भागडा, लिम्बता एवं खानन) में आयोजित कार्यक्रमों में 895 किसान एवं 72 अन्य प्रतिभागियों सहित कुल 967 प्रतिभागियों ने भाग लिया। वहीं दौसा जिले के 3 गांवों (भांडारेज, सैंथल व बापी) में कुल 698 किसान (644 पुरुष एवं 54 महिला) एवं 57 अन्य प्रतिभागियों सहित 755 प्रतिभागियों की भागीदारी रही। इस प्रकार दोनों जिलों में कुल 1595 प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की।

पुस्तक का किया विमोचन : विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ

गांव-गांव जाकर वैज्ञानिक देंगे जानकारी, किसान होगा खुशहाल : मंत्री चौधरी

पत्रिका ऑन द स्पॉट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मालपुरा. पुस्तक का विमोचन करते जलदाय मंत्री व अन्य।

मालपुरा. कृषि विभाग टोंक व केंद्रीय भेड़ एवं अनुसंधान संस्थान अविकानगर की ओर से विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ लावा में गुरुवार को सामुदायिक भवन में मुख्य अतिथि जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने किया। केंद्रीय [illegible] अविकानगर में कृषक वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाकर विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम की पुस्तक का विमोचन किया गया। जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि सरकार चाहती है कि देश का किसान खुशहाल हो। जब किसान खुशहाल होगा तो देश भी खुशहाल होगा। इसी को लेकर भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से आयोजित किए जा रहे विकसित कृषि संकल्प अभियान 12 जून को देशभर में बडे स्तर पर चलाया जा रहा है। इसमें राजस्थान राज्य के सभी जिलों के कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से अपने जिले के हर ब्लॉक में वैज्ञानिकों की टीम से आने वाले खरीफ मौसम की फसलों की ऊनत किस्म की जानकारी, वहां की मिट्टी की जांच अनुसार फसलों का वर्गीकरण एवं रासायनिक खाद का उपयोग, कृषि और पशुपालन के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा, साथ में किसान की कृषि से सम्बंधित हर समस्या का समाधान किया जाएगा। विकसित कृषि संकल्प अभियान में कृषकों को वैज्ञानिक तरीके के आधार पर खेती करने के बारे में जानकारियां दी जाएगी। राजस्थान राज्य के स्टेट को ऑडिटडिनेटर एवं निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर ने कहा कि कार्यक्रम के तहत राजस्थान के 41 जिले के 330 ब्लॉक में 135 टीम प्रत्येक दिन कुल 15 दिन में 3959 गांव को कवरेज करेंगे। साथ नवीन कृषि और पशुपालन की ऊनत तकनीकी की जानकारी देते हुए सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डाल किसान का समस्या पर फीडबैक भी भविष्य के लिए लेगी। तोमर ने बताया कि अविकानगर संस्थान की वैज्ञानिक टीम राज्य के टोंक, जयपुर, दौसा एवं डूंगरपुर जिले में संस्थान की नवीन तकनीकियों की भी जानकारी देंगे। योजना से लगभग 1.5 करोड किसानों के साथ सीधा संवाद होगा। अभियान के तहत 700 जिलों में दो हजार से अधिक वैज्ञानिक दलों की भागीदारी रहेगी, जो किसानों को नई तकनीक एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी देने व किसानों का फीडबैक एवं नवाचार का डाक्यूमेंटेशन का कार्य होगा। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र वनस्थली विद्यापीठ इंचार्ज बंशीधर चौधरी, कृषि संयुक्त निदेशक टोंक वीरेंद्र सिंह सोलंकी, सहायक निदेशक महेश कुमार कुमावत, जिला परिषद सदस्य छोगा लाल गुर्जर, प्रशासक कमल कुमार जैन, पूर्व जिला परिषद सदस्य किशन लाल चौधरी, भाजपा लावा मंडल अध्यक्ष इंद्रपाल चौधरी, धर्मचंद जैन आदि मौजूद रहे।

डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का किसान ले अधिक से अधिक लाभ : मंत्री कन्हैयालाल चौधरी

सीमा सन्देश संवाददाता

मालपुरा। केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम भगवानपुरा में एक भव्य रात्रि चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रात्रि चौपाल कार्यक्रम मे जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं भूजल विभाग मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने विशेष अतिथि के रूप में शिरकत की। वही कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर ने की। जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने किसानों व पशुपालकों से संवाद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा किसानों व पशुपालकों के हित में कहीं जनकल्याणकारी योजना चलाई जा रही है। किसानों को इन सभी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ ले तथा अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करें। कार्यक्रम मे अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर ने ग्रामीणों को पशुधन से जुड़ी वैज्ञानिक जानकारी और नवीनतम कृषि तकनीकों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान संस्थान की वैज्ञानिक टीम द्वारा भेड़ नस्ल सुधार, पशु पोषण, चारा प्रबंधन, रोग नियंत्रण एवं जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकों पर विस्तार से जानकारी साझा की गई। किसानों और पशुपालकों की जमीनी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना गया और उन पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समाधान बताए गए। विशेषज्ञों ने किसानों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर सुझाव दिए और उनके निराकरण की दिशा में संस्थान की प्रतिबद्धता जताई। ग्रामीण समुदाय, विशेषकर महिला पशुपालकों और युवा किसानों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और संस्थान द्वारा दी गई जानकारी को सराहा। चौपाल का उद्देश्य किसानों को उनके गांव में ही वैज्ञानिक समाधान उपलब्ध कराना और अनुसंधान को खेत तक पहुँचाना रहा। इस रात्रि चौपाल में वनस्थली एवं कृषि विभाग, मालपुरा के अधिकारीगण मौजूद रहे, जिन्होंने विभागीय योजनाओं व क्षेत्रीय सहयोग की जानकारी साझा की। यह कार्यक्रम किसान के द्वार वैज्ञानिक की बात पहल का भाग रहा, जो ग्रामीण विकास एवं आत्मनिर्भर कृषि व्यवस्था की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

किसान संगोष्ठी एवं पशु स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, दी कई उपयोगी जानकारी

मालपुरा@ पत्रिका. विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर की ओर से उपखंड के गरजेड़ा, पिपल्या एवं चांदसेन गांवों में किसान संगोष्ठी एवं पशु स्वास्थ्य शिविरों का सफल आयोजन किया गया। जिनमें किसानों व महिला किसानों ने वैज्ञानिकों से संवाद किया।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर, अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. एल. आर. गुर्जर सहित संस्थान के वैज्ञानिकों ने विभिन्न विषयों पर किसानों को मार्गदर्शन दिया। शिविरों में प्राकृतिक खेती के साथ जीवामृत बनाकर भूमि को कैसे सुधार सकते है, जैविक कीटनाशक, मृदा स्वास्थ्य, बीजोपचार, जल प्रबन्धन एवं सुक्ष्म सिंचाई, डीजिटल कृषि, पशुओं में होने वाली प्रजनन समस्याऐं और पशु आहार, तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी जैसे विषयों पर चर्चा की गई। साथ ही बीमार पशुओं की जांच व उपचार भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कई अहम समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया । किसानों ने सरकार से समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की। इसी कड़ी में ग्राम गरजेड़ा में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के वैज्ञानिकों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श किया।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत किसान संगोष्ठी व पशु स्वास्थ्य शिविर लगे

भास्कर न्यूज | मालपुरा

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर ने मालपुरा तहसील के 8 गांवों में किसान संगोष्ठी और पशु स्वास्थ्य शिविर लगाए। रिंडलिया बुजुर्ग, पिननी, अरनिया कांकड़, सदरपुरा, चोरुपुरा, धोली खेड़ा, श्रीनगर और लक्ष्मीपुरा में हुए इन शिविरों में किसानों को प्राकृतिक जैविक खेती के लिए प्रेरित किया गया। शिविरों में कुल 1,553 किसानों ने भाग लिया। इनमें 918 पुरुष और 535 महिला किसान शामिल रहे। किसानों ने वैज्ञानिकों से सीधे संवाद किया। संस्थान के निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर, अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. एल. आर. गुर्जर और अन्य वैज्ञानिकों ने किसानों को मार्गदर्शन दिया।

शिविरों में जीवामृत बनाकर भूमि सुधार, मृदा स्वास्थ्य, पशुओं की प्रजनन समस्याएं, पशु आहार और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। बीमार पशुओं की जांच और इलाज भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने कई समस्याएं सामने रखीं। टोंक जिले में दलहनी फसलों में गिरावट, ऊसर भूमि, खारे पानी, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसल खरीद में देरी, प्रमाणित उर्वरकों की कमी और वितरण में देरी, फसल बीमा योजना में मुआवजे की अनुचित कटौती और समय सीमा तय न होना प्रमुख मुद्दे रहे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान • किसानों को जागरूक किया, पशुपालन की दी जानकारी

संगोष्ठी में किसानों को रसायन मुक्त खेती, जैविक उपायों और देशज तकनीक के फायदे बताए गए

डूंगरपुर| विकसित कृषि संकल्प अभियान के चौथे दिन ब्लॉक साबला के साबला, तालोरा और पिंडावल और ब्लॉक गलियाकोट के अंबाड़ा, डैयाना और सेमलिया घाटा ग्राम पंचायतों में संगोष्ठी हुई। इसमें कृषि विज्ञान केंद्र और केंद्रीय भेड़ व ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर टोंक के वैज्ञानिकों की टीमों ने भाग लिया। कृषि विभाग और पशुपालन विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। वैज्ञानिक डॉ. सुभाष कच्छवाह ने किसानों को बकरी की नस्लों की जानकारी दी। बकरी में होने वाले रोगों के लक्षण और बचाव के तरीके बताए। उन्होंने कहा कि बकरी पालन गरीब किसानों और खेतिहर मजदूरों के लिए आजीविका का अच्छा साधन है। उन्होंने बकरी पालन की नई तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सीएम बलाई ने मिट्टी परीक्षण के महत्व पर बात की। उन्होंने कहा कि खेत की मिट्टी के अनुसार ही बीज और खाद का चयन करना चाहिए। इससे उत्पादन में सुधार होता है। किसानों को मिट्टी की सेहत सुधारने के उपाय और नई तकनीकों की जानकारी दी। वैज्ञानिक डॉ. बीएल रोत ने रासायनिक मुक्त खेती, जैविक उपायों और देशज तकनीकों के फायदे बताए। उन्होंने प्राकृतिक खेती को खेती की रीढ़ बताया। कहा कि यह किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने का जरिया है। संयुक्त निदेशक कृषि परेश कुमार पंड्या ने कस्टम हायरिंग सेंटर और तारबंदी योजना की जानकारी दी। साबला, तालोरा और पिंडावल ग्राम पंचायतों में नवाचारी किसान शंकरलाल मीणा ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि किस तरह नई तकनीकों से खेती में बदलाव आया।

डूंगरपुर. कृषि व पशुपालन की जानकारी देते अधिकारी।

विकसित कृषि संकल्प अभियान : योजनाओं की दी जानकारी

उन्नत खेती के लिए किसानों को नैनो तकनीक अपनाने की दी सलाह

मालपुरा. शिविर में मौजूद किसान व अधिकारी।

मालपुरा. कृषि विभाग ,कृषि विज्ञान केंद्र बनस्थली एवं केंद्रीय भेड़ एवं अनुसंधान संस्थान अविकानगर के विशेषज्ञों ने उपखंड के इंदोली ग्राम

इधर, विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर की ओर से तहसील के भीपुर, गणेशपुरा, अजमेरी एवं अरनिया में किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर, अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. एल. आर. गुर्जर एवं संस्थान के विभिन्न वैज्ञानिकों ने शिविरों में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना, मृदा स्वास्थ्य, पशु पोषण एवं स्वास्थ्य तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी जैसे विषयों पर किसानों से संवाद किया गया। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने कई महत्वपूर्ण सुझाव एवं समस्याएं साझा कीं, जिनमें प्रमुख रूप से प्रमाणित बीजों की समय पर अनुपलब्धता, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसल की खरीद में देरी, प्रमाणित उर्वरकों की सीमित उपलब्धता एवं वितरण में विलंब, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत मुआवजे में अनुचित कटौती, तथा मुआवजा प्राप्ति की समय सीमा सुनिश्चित करने की मांग प्रमुख रही। किसानों ने इन समस्याओं के शीघ्र निराकरण हेतु सरकार से आवश्यक कदम उठाने की मांग की।

रात्रि चौपाल में किसानों को दी उपयोगी जानकारी

मालपुरा. रात्रि चौपाल को संबोधित करते हुए।

मालपुरा@ **पत्रिका.** केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान के अन्तर्गत मालपुरा क्षेत्र के लक्ष्मीपुरा गांव में संस्थान निदेशक डॉ. अरूण कुमार तोमर के निर्देशन में रात्रि चौपाल आयोजित कर किसानों व पशुपालकों को आवश्यक जानकारी दी।

कार्यक्रम में किसानो को सम्बोधित करते हुए संस्थान निदेशक डॉ. तोमर ने कहा कि प्राकृतिक खेती और पशुपालन जैसे टिकाऊ तरीकों को अपना कर किसान व पशुपालक अपना व अपने परिवार की आय बढ़ाने के साथ साथ परिवार का विकास भी कर सकते हैं।

डॉ. तोमर ने किसानों को कृषि व पशुपालन की उन्नत तकनीकों एवं मृदा कार्ड स्वास्थ्य के बारे में विस्तार से बताया। चौपाल में किसानों ने वैज्ञानिकों एवं विषय विशेषज्ञों से सीधे सवाल कर अपनी समस्या का हल प्राप्त किया। कार्यक्रम में डॉ. सिद्धार्थ सारथी मिश्र, डॉ. रणधीर सिंह, डॉ. पी.के. मलिक, डॉ. आर.के.नागर, डॉ. लीलाराम गुर्जर सहित अन्य कई वरिष्ठ वैज्ञानिक थे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत किसान संगोष्ठी एवं पशु स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

खबरों की दुनिया

मालपुरा। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर के तत्वावधान में मंगलवार को मालपुरा उपखंड के गोपालपुरा, पिनणी एवं आमली गांवों में किसान संगोष्ठी एवं पशु स्वास्थ्य शिविरों का सफल आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में कुल 437 किसानों में से 295 पुरूष एवं 142 महिला किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और वैज्ञानिकों से प्रत्यक्ष संवाद किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर, अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. एल. आर. गुर्जर सहित संस्थान के वैज्ञानिकों ने विभिन्न विषयों पर किसानों को मार्गदर्शन दिया। शिविरों में प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य, पशुपालन तकनीक, पशु पोषण एवं स्वास्थ्य, तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी जैसे विषयों पर चर्चा की गई। साथ ही बीमार पशुओं की जांच व उपचार भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कई अहम समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं ऊसर भूमि एवं खारे पानी की समस्या, न्यूनतम समर्थन मूल्य ;डैच) पर फसल की खरीद में देरी, प्रमाणित उर्वरकों की सीमित उपलब्धता एवं वितरण में विलंब, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में मुआवजे की अनुचित कटौती मुआवजा प्राप्ति की समय सीमा तय किए जाने की आवश्यकता किसानों ने सरकार से इन समस्याओं के शीघ्र समाधान हेतु आवश्यक कदम उठाने की मांग की। कार्यक्रम की इसी कड़ी में ग्राम आमली में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के प्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श किया। अभियान के अंतर्गत मंगलवार को डूंगरपुर एवं दौसा जिलों में केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर व कृषि विज्ञान केंद्र की टीम ने मिलकर कुल 9 गांवों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। डूंगरपुर जिले की टीमों द्वारा 6 गांवों (झौंथरी, भिंडा, वासुवा, भागडा, लिम्बता एवं खानन) में आयोजित कार्यक्रमों में 895 किसान एवं 72 अन्य प्रतिभागियों सहित कुल 967 प्रतिभागियों ने भाग लिया। वहीं दौसा जिले के 3 गांवों (भांडरेज, सैंथल व बापी) में कुल 698 किसान (644 पुरुष एवं 54 महिला) एवं 57 अन्य प्रतिभागियों सहित 755 प्रतिभागियों की भागीदारी रही। इस प्रकार दोनों जिलों में कुल 1595 प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की।

किसानो का सर्वांगीण विकास केन्द्र सरकार का मुख्य संकल्प : चौधरी

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। प्रदेश के जलदाय मंत्री एवं क्षैत्रीय विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने कहा है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्रीय सरकार देश के किसानो का सर्वांगीण विकास का संकल्प लेकर आगे बढ़ रही है।

जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी गुरूवार को केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर एवं लावा ग्राम में केन्द्रीय सरकार की ओर से किसानो के विकास, किसनो को उन्नत कृषि तकनीक का ज्ञान देने के उद्धेश्य से केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह की पहल एवं नेतृत्व में केन्द्रीय कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से 15 दिन के विकसित कृषि संकल्प अभियान के शुभारम्भ अवसर पर आयोजित समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर जलदाय मंत्री चौधरी ने कहा कि किसान विकसित होगा तब ही देश विकासशील देशो की श्रेणी में आएगा। इसी के चलते देश के शहरो एवं गांवो में बसने वाले किसानो तक कृषि की उन्नत एवं कम खर्चे वाली तकनीको को उनके घरो तक पहंचाने के उद्धेश्य से अभियान शुरू किया है। इस अभियान का मुख्य उद्धेश्य देश के किसानो का सर्वांगीण विकास कर देश के विकास की मुख्य धारा में शामिल करना है। समारोह में अभियान के बारे में जानकारी देते अभियान के प्रदेश कोर्डिनेटर एवं संस्थान निदेशक डॉ. अरूण कुमार तोमर ने कहा कि अभियान के दौरान वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिको के दल गांव गांव ढाणी ढाणी पहुंच कर किसानो को उन्नत खेती एवं कम खेर्चे में अधिक उत्पादन लेने के उपायो की जानकारी देकर इनके उपयोग के लिए प्रेरित करेगें। यह अभियान आगामी 15 दिन तक चलेगा। अभियान के शुभारम्भ कार्यक्रमो के मौजुद वैज्ञानिको ने अपने विचार प्रकट कर केन्द्रीय सरकार की ओर किसान कल्याण के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी देकर इनसे लाभान्वित होने के बारे में बताया।

कार्यक्रम के दौरान खरीफ की फसलो की वैज्ञानिक खेती पर आधारित विशेष पत्रिका का विमोचन किया गया। वहीं आयोजको की ओर से समारोह के मुख्य अतिथि की अगवानी कर जोरदार स्वागत सम्मान किया गया।